वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 202 | बुधवार 19 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थानी अंदाज में हुआ पर्यटकों का स्वागत

जंतर-मंतर पर आए सबसे ज्यादा विदेशी पावणे, हवामहल में रंगोली सजाई, तिलक लगाकर किया स्वागत

आपणों जैपर हुयो 298वें साल का

जंतर-मंतर की वैज्ञानिक धरोहर बनी चर्चा का विषय

आमेर महल और अल्बर्ट हॉल में उत्सव का माहौल

जयपुर. कासं

जयपुर के 298वें स्थापना दिवस पर गुलाबी नगरी के पर्यटन स्थलों पर मंगलवार को रौनक देखने को मिली। जंतर-मंतर, हवामहल, आमेर महल, अल्बर्ट हॉल सहित सभी प्रमुख स्मारकों पर सुबह से ही पर्यटकों की आवाजाही बढ़ गई। पारंपरिक परिधान, लोकधुनों के साथ टूरिस्ट्स का स्वागत किया गया। हवामहल के प्रवेश द्वार पर खूबसूरत रंगोली सजाई गई, जिसने देशी-विदेशी पर्यटकों का मन मोह लिया। आयोजन स्थल पर जयपुर के इतिहास, स्थापना की पृष्ठभूमि और हवामहल सहित अन्य स्मारकों की वास्तुकला से जुड़ी रोचक जानकारी भी पर्यटकों को दी। लगातार फोटो सेशन, गाइडेड टूर और पारंपरिक संगीत की गूंज से पूरा परिसर दिनभर जीवंत बना रहा। यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल जंतर-मंतर आज सबसे भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों में रहा। यहां मौजूद सम्राट यंत्र जो आज भी समय और मौसम की सटीक गणना करता है, इसने पर्यटकों का विशेष ध्यान खींचा। विशेषज्ञ गाइडों ने यंत्रों की वैज्ञानिक उपयोगिता और महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की खगोल विज्ञान में गहरी रुचि की जानकारी पर्यटकों को दी। आमेर महल में पारंपरिक स्वागत, शहनाई वादन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पर्यटकों का मनोरंजन किया। वहीं, अल्बर्ट हॉल संग्रहालय में इतिहास और कला-समृद्ध प्रदर्शनियों को देखने के लिए दर्शकों की भीड़ जुटी रही। फोटोग्राफी, वीडियो शूट्स और स्टोरी-कंटेंट बनाने वाले युवाओं ने इन स्मारकों को सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग बना दिया।

अनूठी बसावट और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक

छोटी काशी के नाम से पहचाना जाने वाला जयपुर अपनी योजनाबद्ध बसावट और वास्तुशिल्प के कारण दुनिया भर में खास पहचान रखता है। सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा 1727 में बसाया गया यह शहर अब 298 वर्ष का हो चुका है। जनसंख्या बढ़ने और शहर के विस्तार के बावजूद परकोटा क्षेत्र की ऐतिहासिक संरचना आज भी अपनी मौलिकता में नजर आती है। राजस्थान सरकार जयपुर के परकोटा क्षेत्र को और अधिक आकर्षक और संरक्षित बनाने की दिशा में बड़े कदम उठा रही है। इसके लिए लगभग100 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। इस योजना के तहत परकोटा की दीवारों और दरवाजों का संरक्षण, विरासत बाजारों का पुनर्विकास, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार, रात्रिकालीन पर्यटन को बढ़ावा जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्थापना दिवस के अवसर पर होटल, कैफे, हैंडीक्राफ्ट बाजार, ज्वेलरी स्ट्रीट और स्थानीय व्यापारी वर्ग भी उत्साह से भर उठा।

साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर वर्कशॉप आयोजित

डीप फेक सामाजिक सद्भाव के लिए गंभीर खतराः डीजीपी

इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के आईआईडीएस ने साइबरपीस फाउंडेशन और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार को जयपुर में पत्रकारों के लिए एक खास वर्कशॉप आयोजित की। इस वर्कशॉप का नाम साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर ट्रेनिंग था। जिसमें पत्रकारों को फेक न्यूज, गलत जानकारी और डीपफेक पहचानने की ट्रेनिंग दी गई...

जयपुर. कासं। भारत की सूचना व्यवस्था को मजबूत बनाने की देश-भर की पहल के तहत यह वर्कशॉप आयोजित की गई। यह वर्कशॉप इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले होने वाली आधिकारिक प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप भी थी। यह समिट इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय मंच का उद्देश्य यह दिखाना है कि एआई कैसे सभी के लिए विकास, स्थिरता और बराबरी के अवसरों को बढ़ावा दे सकता है। वर्कशॉप में बताया गया कि एआई कैसे सबके लिए विकास को बढ़ावा देता है, टिकाऊ समाधान ला सकता है और समाज को बराबरी की दिशा में आगे बढ़ा सकता है। इसमें यह भी समझाया गया कि जिम्मेदारी से एआई का इस्तेमाल करने से जानकारी की सच्चाई बनाए रखने में मदद मिलती है और समाज गलत जानकारी से बचने के लिए मजबूत बन सकता है। अपने स्वागत भाषण में राजस्थान के डीजीपी, राजीव शर्मा (आईपीएस) ने कहा, आज के डिजिटल युग में गलत जानकारी, फेक न्यूज और डीप फेक लोगों के विश्वास और सामाजिक सद्भाव के लिए गंभीर खतरा हैं। कंटेंट से छेड़छाड़ को रोककर सत्य उजागर करने में पत्रकार, मीडिया प्रोफेशनल और कंटेंट निर्माता बचाव की पहली कतार का निर्माण करते हैं।

तुम तीर्थ के दुख से दुखी हो जाओ तो कुछ खास नहीं होगा पर यदि तीर्थ तुम्हारे दुःख से दुःखी हो गया तो तुम्हारा संकट अवश्य दूर होगाः मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

श्री सुधासागर प्रीमियर लीग का हुआ उद्घाटन

23 नवंबर को होगा असीम कालीन भक्तावर का शुभारंभ, गुरुदेव देंगे बीज मंत्रः विजय धुर्रा

थूवोनजी. शाबाश इंडिया

अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में देशभर से चयनित 16 टीमों को श्री सुधासागर प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया। लीग का शुभारंभ सुधामय सभा मंडप में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। सर्वोदय विद्यासागर पाठशाला अशोक नगर तथा आचार्य श्री विद्यासागर शांति नगर की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को प्रभावित किया। आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन सहित सभी क्षेत्रीय प्रमुख जनों द्वारा किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान भी किया गया। इस दौरान थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, महामंत्री मनोज भैसरवास, कोषाध्यक्ष प्रमोद मंगल, दीप मंत्री शैलेन्द्र दददा, राजेन्द्र हलवाई, प्रदीप रानी, एसएसपीएल लीग संयोजक, जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, मंत्री विजय धुर्रा, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार सहित अन्य प्रमुख जनों को सम्मानित किया गया। कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने देशभर से आई टीमों का परिचय कराया, जबकि स्वागत भाषण संयोजक विपिन सिंघई द्वारा दिया गया।

अपने अंदर जूनून पैदा करो, सफलता स्वयं कदम चूमेगीः मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

समारोह को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव राष्ट्रसंत श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि तुम तीर्थ के दुख से दुखी हो

जाओ तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है, पर यदि तीर्थ तुम्हारे दुःख से दुःखी हो गया तो तुम्हारे सभी संकट दूर हो जाएंगे। तीर्थ क्षेत्र ऊर्जा के केंद्र हैं–आप जितनी श्रद्धा और इच्छा लेकर आते हैं, यह आपको उतना ही लौटाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिस कार्य में जूनून पैदा हो जाए, वहां असंभव भी संभव हो जाता है। बुजुर्ग भी जवान-सा उत्साह पा लेते हैं। मैं विश्वास दिला सकता हूं कि जूनून वाले व्यक्ति को सफलता मिलती ही है।

किसी भी तीर्थ पर संकट आए तो सबको साथ देना चाहिए

महाराज श्री ने कहा कि अक्सर लोग सोचते हैं कि किसी तीर्थ पर संकट आए तो ''वहां के लोग संभाल लेंगे'', लेकिन यह सोच गलत है। यदि ऐसा चलता रहा तो तीर्थ परंपराएँ समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दोस्त पर संकट आए तो थोड़ा भाव आता है, रिश्तेदार पर संकट आए तो आँखें नम हो जाती हैं, परिवार पर संकट आए तो व्यक्ति दौड़कर पहुँच जाता है और घर पर कार्य बढ़ जाए तो हम स्वयं को पूरी ताकत से लगा देते हैं। फिर सवाल उठता है कि धर्म, तीर्थ और गुरु से

आपका संबंध किस स्तर का है? इसका आत्ममंथन आवश्यक है। महाराज श्री ने कहा कि पहले किसी भी तीर्थ पर मेला लगता था तो सभी लोग जाते थे, इससे आपसी भाईचारा बढ़ता था। आज यह परंपरा क्षीण हो रही है, इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

सुभाष चन्द जैन "तीर्थ वन्दन शिरोमणि" की उपाधि से अलंकृत

सन् 1991 से सन् 2025 तक 34 वर्षों की उल्लेखनीय सेवाऐं प्रदान कर धर्म प्रभावना बढ़ाने के लिए किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध समाजसेवी एवं श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के संरक्षक सुभाष चन्द जैन को पदयात्रा संघ की कार्यकारिणी समिति ने गत 34 वर्षों से लगातार तीर्थों की यात्राएं करवाने, तीर्थ वन्दनाऐं करवाने , पदयात्राओं का नेतृत्व करने, धार्मिक यात्राओं के आयोजन के माध्यम से धर्म प्रभावना करने के लिए "तीर्थ वन्दन शिरोमणि " की उपाधि से अलंकृत कर सम्मानित किया गया है। पदयात्रा संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस दौरान भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे गूंजते रहे। इस मौके पर पदयात्रा संघ के निर्मल सोगानी, सुरेश ठोलिया, कुन्थी लाल रावकां, प्रकाश गंगवाल, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, दूली चन्द चांदवाड, सलिल जैन, शैलेन्द्र शाह चीकू, मैना बाकलीवाल, अमर चन्द दीवान खोराबीसल, विनेश सोगानी, सुनील चौधरी, मनीष लुहाड़िया, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद,राज कुमार बडजात्या, विनोद जैन कोटखावदा, जिनेन्द्र जैन, देवेन्द्र गिरधरवाल, सुशील कुमार जैन,भाग चन्द गोधा, श्रीमहावीर जी पदयात्रा के संयोजक सोभाग मल जैन सहित जयपुर से श्री महावीर जी पदयात्रा के पूर्व संयोजक वैध अशोक गोधा, सुमन गोधा, विजय लुहाड़िया,श्रीमति देवी पाण्डया, शकुन्तला पाण्डया, दीपिका जैन कोटखावदा,सुगंध विजयवर्गीय, आदित्य पहाडियाँ, ध्रुव बडजात्या, आनन्द पाण्डया, अक्षय पाण्डया सहित बडी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी, श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। पदयात्रा संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सुभाष चन्द जैन श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर से 1991 से जुड़े थे। तभी से नंगे पैर जयपुर से श्री महावीर जी की पदयात्रा शुरू की। श्री महावीर जी में एक किलोमीटर पहले से ही कनक दण्डवत लगाकर मुख्य मंदिर में भगवान महावीर के दर्शन किए। सुभाष चन्द जैन की उल्लेखनीय भूमिका के मध्य नजर पदयात्रा संघ के संस्थापक संरक्षक स्व. ज्ञान प्रकाश बख्शी ने कार्यकारिणी समिति की सहमति से सन् 1995 में जयपुर से श्री महावीर जी की 10 वीं पदयात्रा का संयोजक बनाया। श्री जैन गत 34 वर्षों से लगातार जयपुर से श्री महावीर जी की पदयात्रा कर रहे हैं। इसके साथ सन् 2000 में जयपुर से शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी (झारखंड) की 1300 किलोमीटर की ऐतिहासिक पद वन्दना का संयोजक के रुप में सुभाष चन्द जैन ने नेतृत्व किया। पद वन्दना में देश के प्रसिद्ध वैधराज स्व. सुशील कुमार जैन 'पापा साहब' का सानिध्य प्राप्त हुआ था। पद वन्दना 30 सितम्बर, 2000 को जयपुर से रवाना होकर श्री महावीर जी, आगरा, कानपुर, इलाहाबाद, बनारस होते हुए 45 दिन पश्चात 13 नवम्बर, 2000 को जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी पहुची थी। पदयात्रा दल में 105 जैन बन्धु शामिल हुए थे। श्री जैन के मुताबिक सन् 2003 में जयपुर से कुण्डलपुर (बडे बाबा) (मध्य प्रदेश) की 800 कि. मी. की पद वन्दना का नेतृत्व भी सुभाष चन्द जैन ने किया। इस पदयात्रा में 125 यात्री शामिल हुए। संयोजक के रुप में सुभाष चन्द जैन के नेतृत्व में सन् 2006 में जयपुर से बैंगलोर रेल द्वारा तथा बैंगलोर से 444 पदयात्रियों के साथ श्रवणबेलगोला बाहुबली (कर्नाटक) की 140 कि. मी. की पदवन्दना की गई। इसी तरह सन् 2018 में पद यात्रा संघ के संरक्षक के रुप में जयपुर से बैंगलोर हवाई जहाज द्वारा तथा बैंगलोर से 151 पदयात्रियों के साथ श्रवणबेलगोला बाहुबली की 140 कि. मी. की पदयात्रा सफलतापूर्वक संपन्न की गई। संघ के तत्वावधान में सुभाष

चन्द जैन के नेतृत्व में पदयात्राओं के साथ साथ धार्मिक यात्राओं का आयोजन, धार्मिक गतिविधियों के साथ समाज एवं मानव सेवा के कार्य भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) में सन् 2008 में एक विशाल औषधालय का निर्माण करवाने के लिए संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर मुनिराज ससंघ के सानिध्य में भूमि पूजन किया गया। सन् 2011 में जयपुर से स्पेशल ट्रेन के द्वारा 555 यात्रियों को दमोह कुण्डलपुर ले जाया गया वहां निर्मित औषधालय का वैधराज सुशील कुमार जैन द्वारा लोकार्पण किया गया। इस औषधालय में हजारों रोगियों का आयुर्वेद एवं प्राणोपचार पद्धति से उपचार किया जा चुका है। औषधालय में संघ की ओर से सैकड़ों मासिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन सारे कार्यों में सुभाष चन्द जैन की उल्लेखनीय भूमिका रही। इस तरह से सन् 1991 से 2025 तक की उल्लेखनीय कार्यों एवं गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर की कार्यकारिणी समिति ने सुभाष चन्द जैन को " तीर्थ वन्दन शिरोमणि" की उपाधि से अलंकृत कर सम्मानित किया।

वेद ज्ञान

कैरियर बदलने से पहले सोचें कई बार

किसी भी कैरियर में बहुत आगे बढ़ने के बाद कई युवा साथी कैरियर शिफ्ट करने की इच्छा रखते हैं। वे एक तरह की जिंदगी से कुछ अलग करना चाहते हैं जो उनके दिल को पसंद हो। इस प्रकार के कैरियर शिफ्ट में न केवल जोखिम रहता है बल्कि यह कैरियर का एक ऐसा मोड़ रहता है जहां से आप पर आर्थिक रूप से बहुत बोझ भी रहता है। ऐसे में अगर आप बदलाव कर रहे हैं तब इन बातों का जरूर ख्याल रखें। ऐसा न हो कि महज बदलाव के लिए आपने कैरियर शिफ्ट कर लिया पर बाद में लगा कि अपने हाथों से पैर पर कुल्हाड़ी मार ली। कैरियर में बदलाव करते समय अगर आप यह सोचते हैं कि जो वर्तमान में कार्य कर रहे हैं उसमें पैसा कम है और कैरियर शिफ्ट के बाद ज्यादा पैसा मिल जाएगा तब आप गलत दिशा में सोच रहे हैं। प्रत्येक कैरियर में अलग-अलग तरह की प्रक्रियाएं रहती हैं आगे बढ़ने के लिए। इस कारण पैसे को ही देखकर करियर शिफ्ट न करें। यह अकसर देखा गया है कि कोई व्यक्ति लगातार पांच-आठ वर्षों तक एक ही कंपनी में कार्य कर रहा है और कंपनी में काम करने वाले उसके एक साथी ने कैरियर शिफ्ट किया क्योंकि उसे मीडिया में काम करने की इच्छा थी। साथी ने कैरियर शिफ्ट किया है इसलिए आप भी करें यह जरूरी नहीं। आप अपनी सहूलियत देखें। कई बार युवा साथी जोश में आकर कैरियर शिफ्ट करने के बारे में विचार करते हैं और उस पर अमल भी कर देते हैं। जब वे दूसरे कैरियर के लिए काम करने जाते हैं तब असहज महसूस करते हैं। यह इस कारण भी होता है क्योंकि आप अपनी क्षमता से परिचित नहीं हैं। कैरियर शिफ्ट करने के पहले इस ओर जरूर ध्यान दें कि क्या वाकई आपमें उतनी क्षमता है। किसी विकल्प का चयन मात्र इसलिए न करें क्योंकि वह आपके लिए अंतिम विकल्प है। यदि आप इस संबंध में किसी उलझन में हैं तो खुद का आंकलन पहले करें। युवा साथी पांच वर्ष के कैरियर के बाद अपने पसंद के कैरियर को अपनाने के लिए नई डिग्री लेने के लिए भी तैयार हो जाते हैं। पर इस बात का ध्यान दें कि आप पांच वर्षों बाद पुनः पढ़ाई करने जा रहे हैं।

संपादकीय

भारत–बांग्लादेश संबंधों पर संकट और अवसर

बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने का फैसला न सिर्फ ढाका की आंतरिक राजनीति में भूचाल है, बल्कि इसके भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय रिश्तों पर भी व्यापक और जटिल असर हो सकते हैं। यह घटना रणनीतिक, राजनीतिक और मानवीय दृष्टि से दोनों देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। सबसे पहले, भारत की प्रतिक्रिया मध्य मार्ग की रही है। भारत ने बयान दिया है कि वह फैसले पर ध्यान दे रहा है और बांग्लादेश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संयमित प्रतिक्रिया दर्शाती है कि भारत इस मुद्दे में सीधे हस्तक्षेप करने में सावधान है, क्योंकि किसी तरह की प्रत्यक्ष संवेदनशीलता (जैसे प्रत्यर्पण) नए तनाव पैदा कर सकती है। दूसरी ओर, बांग्लादेश की वर्तमान सरकार ने भारत से हसीना को प्रत्यर्पित करने की मांग की है। यह भारत के लिए एक कूटनीतिक दुविधा बन सकती है – अगर भारत प्रत्यर्पण करता है, तो यह राजनीतिक नाटकीयता को बढ़ा सकता है और भारत को एक पक्षधर के रूप में नहीं, बल्कि सीधे हस्तक्षेप करने वाले देश के रूप में देखा जा सकता है। दूसरी ओर, अगर भारत प्रत्यर्पण से इनकार करता है, तो उसे राजनीतिक शरणदाता देने के आरोप लग सकते हैं, विशेष रूप से तब जब हसीना भारत में है। यह स्थिति भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और पड़ोसी-नीति को चुनौती दे सकती है। तीसरा, सीमा सुरक्षा और मानवीय असर का मुद्दा है। रिपोर्टें कहती हैं कि हसीना की सजा की घोषणा के बाद सीमा पर तनाव बढ़ गया है, और कुछ बांग्लादेशी नागरिक भारत की ओर आ रहे हैं या वापस लौटने में असमंजस में हैं। बड़े पैमाने पर सामाजिक अव्यवस्था या प्रवासन की लहर भारत की सीमाओं और संसाधनों पर दबाव डाल सकती है, जिससे भारत को नियंत्रण और मानवाधिकार दोनों मोर्चों पर कदम उठाने पड़ सकते हैं। चौथा, यह फैसला बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता को और बढ़ा सकता है। हसीना का प्रभावी नेतृत्व और उनके समर्थकों की ताकत अभी भी महत्वपूर्ण रही है। सजा उनके समर्थकों में प्रतिशोध भावना जगाने का स्रोत बन सकती है। यह भारत के लिए चुनौती हो सकती है, क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता पड़ोसी देश में आर्थिक और सुरक्षा खतरों को बढ़ा सकती है–खासकर व्यापार, निवेश और सहयोगी परियोजनाओं में रुकावटें आ सकती हैं। लेकिन इस संकट में अवसर भी हैं। भारत के लिए यह मौके का समय हो सकता है यह दर्शाने का कि वह बांग्लादेश को केवल सामरिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्थिरता और लोकतांत्रिक मान्यताओं के सम्मान के लिहाज से एक सम्मानित पड़ोसी मानता है। यदि भारत शांति और संवाद को प्राथमिकता देते हुए मध्यस्थता, मानवाधिकार मंचों पर समर्थन और बहुलतावाद को बढ़ावा दे, तो वह बांग्लादेश के नए नेतृत्व के साथ एक नई, विश्वास-आधारित रिश्तेदारी बना सकता है।

–राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारत की लौह आवाज इंदिरा गांधी

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था। इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्वयवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते। इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में गूंगी गुड़िया की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक गूंगी गुड़िया नहीं बल्कि लौह महिला हैं। बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया।

जयपुर की 298 वीं वर्षगांठ पर संगिनी मेट्रो की सदस्याओं ने देखा अपना जयपुर

भ्रमण दल में शामिल हुई 70 से अधिक महिलाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

18 नवम्बर मानव एवं समाज सेवा के लिए समर्पित संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने जयपुर की 298 वीं वर्षगांठ के मौके पर जयपुर का भ्रमण किया, जिसमें उन्होंने कई पुरातत्व संग्रहालय और ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया। इस भ्रमण के दौरान, उन्होंने जयपुर की समृद्ध संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। अध्यक्ष रेखा पाटनी एवं सचिव दीपा गोधा ने बताया कि संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा के नेतृत्व में ग्रुप की 70 महिलाओं का दल चार बसों में शहर के प्रतापनगर, मानसरोवर, दुगार्पुरा एवं टौक फाटक से रवाना होकर रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हाल पहुचा। अल्बर्ट हाल संग्रहालय के बारे में जानकारी प्राप्त की। वहां से रवाना होकर दल आमेर किला देखने आमेर पहुचा जहां उन्होंने मेवाड़ी वास्तु शैली का अवलोकन किया और किले की सुंदरता का आनंद लिया। इसके साथ केसर क्यारी, मावठा झील का अवलोकन किया।

वहां से रवाना होकर नाहरगढ किला पहुंचे

नाहरगढ़ किला जयपुर के सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक स्थलों में से एक है। यहाँ प्रमुख दर्शनीय स्थलों में माधवेंद्र भवन यह एक सुंदर महल है, जो सवाई माधो सिंह द्वारा बनवाया गया था। इसमें 12 समान बेडरूम हैं, जो राणियों के लिए बनाए गए थे। दीवान-ए-आमः यह एक खुला हुआ हॉल है, जहां राजा आम लोगों से मिलते थे और उनकी समस्याएं सुनते थे।नाहर सिंह भोमिया का मंदिरः यह मंदिर किले के अंदर स्थित है, जो नाहर सिंह भोमिया को समर्पित है।किले की दीवारें और दरवाजेः किले की दीवारें और दरवाजे बहुत ही सुंदर हैं और इन पर जटिल नक्काशी की गई है।शीश महलः यह एक सुंदर महल है, जो किले के अंदर स्थित है। जयपुर वॉक्स म्यूजियमः यह एक म्यूजियम है, जो किले के अंदर स्थित है और इसमें जयपुर के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी दी गई है। पैनोरमिक व्यूः किले से जयपुर शहर का सुंदर पैनोरमिक व्यू देखा जो बहुत ही आकर्षक लगा। किले के अंदर स्थित रेस्टोरेंट से शहर का सुंदर नजारा देख मन बहुत प्रफुल्लित हुआ। यहां शहर के सुन्दर नजारे के साथ शैल्फी का भी आनन्द उठाया। इसके बाद मान सागर झील जलमहल पहुचेः जहां राजपूत शैली में बने जलमहल की खूबसूरती को निहारा और संगीत निशा का आनंद लिया। इसके बाद सिटी पैलेस, जन्तर - मन्तर, हवामहल को देखकर मंत्र मुग्ध हो गये। भ्रमण के दौरान दल की संयोजक अमिता शाह, निशा गंगवाल, नीतू मुल्तान, सुनिता जैन ने सदस्याओं के लिए अल्पाहार, भोजन इत्यादि की खूबसूरती से व्यवस्था सम्हाली। सुबह 7.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम में संगिनी की निवर्तमान अध्यक्ष अम्बिका सेठी, पूर्व अध्यक्ष मैना गंगवाल, संयुक्त सचिव नीतू जैन, माधुरी, पारुल, अर्चना, कविता सहित सभी सदस्याओं ने जलमहल की पाल पर फिल्मी गीतों पर नृत्य कर माहौल को खूबसूरत बनाया। सदस्याओं ने सुबह दूध के लड्डू, कचौरी के नाश्ते के बाद , दोपहर में लंच का तथा मध्यान्ह में अमरुद, संतरा, खीरा, केला आदि फलों का आनन्द लिया। इस भ्रमण के दौरान, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने जयपुर की समृद्ध संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की और अपने अनुभवों को साझा किया। अन्त में जयपुर के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट बीएमबी में सभी सदस्याओं ने डिनर लेकर इस भ्रमण कार्यक्रम का समापन किया। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष रेखा पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन सचिव दीपा गोधा ने किया। तत्पश्चात दिन भर बिताये गये खुशी के पलों की सुनहरी यादें अपने साथ लेकर सभी सदस्याए अपने अपने घरों की ओर रवाना हो गई।

जैन तीर्थ सोनागिर में 28 दिस. को होगा जैसवाल जैन प्रतिभाओं का महाकुंभ

ग्वालियर - चम्बल संभाग की सैकड़ों प्रतिभाएं होंगी सम्मानित

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। जैसवाल जैन समाज की होनहार उभरती हुई प्रतिभाओं का महाकुंभ जैन तीर्थ सोनागिर में 28 दिसंबर को होने जा रहा है। सेवा न्यास परिवार द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिवर्ष अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज के होनहार प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को एक भव्य एवं विशाल समारोह में सम्मानित किया जाता है। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी आगरा एवम महामंत्री सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जैसवाल जैन समाज की प्रतिभाओं के उत्साहवर्धन हेतु नवमा प्रतिभा सम्मान 2025 का आयोजन 28 दिसंबर जैन तीर्थ सोनागिर में होने जा रहा है । उक्त सम्मान समारोह में अजमेर, आगरा, अम्बाह, दिल्ली, मुरेना, ग्वालियर, गोहद, डबरा, धौलपुर, राजाखेड़ा, शमशाबाद, भोपाल, इंदौर, कोलकाता सहित देशभर से चयनित 500 से अधिक प्रतिभाशाली बच्चों का बहुमान किया जायेगा। इस भव्य आयोजन में देशभर से चयनित सर्वश्रेष्ठ 3 सजातीय प्रतिभाशाली बच्चों को लैपटॉप, सोने की गिन्नी, सर्वश्रेष्ठ 10 प्रतिभाओं को सोने की गिन्नी, अन्य प्रतिभाओं को स्वर्ण पदक, रजत पदक के साथ साथ स्मृति चिन्ह, बैग, छल्ला, पैन, डायरी, बहुरंगी परिचय स्मारिका सहित अनेकों उपहार प्रदानकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिभा सम्मान के राष्ट्रीय संयोजक रविंद्र जैन जमूसर भोपाल, सुरेश जैन दिल्ली, रुपेश जैन दिल्ली द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार कक्षा 10 एवम कक्षा 12 में 85% या इससे अधिक अंक प्राप्त करने, किसी भी प्रान्त में मेरिट लिस्ट में नाम आने पर, इस वर्ष CA, CS या ICWA बनने पर, आई आई टी, क्लेट, आई आई एम, G.MAT मेडिकल की किसी भी परीक्षा द्वारा एडमिशन होने पर, किसी भी ग्रेजुएशन अथवा पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री में विशेष योग्यता आने पर, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक प्रशासकीय एवं शासकीय सेवाओं में चयन होने पर, मेडिकल कॉलेज में पी जी

में चयन होने पर, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर कोई भी उपलब्धि जैसे खेल, शिक्षा और कोई भी पुरस्कार अथवा सम्मान प्राप्त करने पर, ऐसी सभी प्रतिभाओं को विशाल एवम भव्य समारोह में सम्मानित किया जाता है। सम्मान के लिए चयनित प्रतिभाशाली बच्चों और उनके साथ आने वाले एक अभिभावक को रेलवे शयनयान का मार्ग व्यय भी प्रदान किया जाता है। सभी के आवास एवम भोजनादि की सभी व्यवस्थाएँ आयोजन समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं।

नवागढ़ विरासत एवं बैनर का हुआ विमोचन

ललितपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में शांतिधाम, बी. टी.आई. आर.टी. परिसर, सिरोंजा, सागर में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आयोजित भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के अधिवेशन में महरौनी विकास खण्ड में स्थित प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ के इतिहास पर आधारित पुस्तक ' नवागढ़ विरासत' एवं नवागढ़ बैनर का विमोचन नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के निर्देशक ब्र. जयकुमार निशांत भैया जी, प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष पेंडारी, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड तीर्थक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष जवाहर लाल जैन सिकंदराबाद, मध्यांचल के अध्यक्ष डी के जैन, मध्यांचल के कार्याध्यक्ष संतोष जैन घड़ी सागर, प्रचार प्रमुख राजेश रागी बक्सवाहा, शरद जैन सांध्य महालक्ष्मी दिल्ली, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड तीर्थक्षेत्र कमेटी के संयुक्त महामंत्री डॉ सुनील संचयललितपुर, प्रचारमंत्री श्रीमती मीनू जैन गाजियाबाद, देवेंद्र लुहारी सागर, महेन्द्र जैन बड़ागांव, मनोज बंगेला, श्रेयांस जैन आदि ने किया। इस मौके पर नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के निर्देशक ब्र. जय निशांत जी ने बताया कि नवागढ़ तीर्थक्षेत्र पुरातत्व एवं इतिहास की अमूल्य धरोहर है। एकबार सभी को इसका दर्शन और अवलोकन जरूर करना चाहिए। यहाँ एक गुरुकुल भी संचालित है जिसमें संस्कारों से संयुक्त शिक्षा प्रदान की जाती है।

निवाई में 26 जैन साधुओं का गाजे बाजे से मंगल प्रवेश

शहर में जगह-जगह मंगल प्रवेश के आगमन पर स्वागत सत्कार किया

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ के 26 जैन साधुओं का निवाई शहर मे गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ। जहां पार्श्वनाथ उद्यान को मंगल प्रवेश के दौरान सजाया गया जिसमें जैन समाज के लोगों द्वारा जैन संतों के विशाल जुलूस पर पुष्प वर्षा कर अगुवानी की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ के 26 पिच्छीधारी त्यागी तपस्वी दिगम्बर जैन सन्त निवाई में शीतकालीन प्रवास के लिए मंगल पदार्पण जोर शोर से हुआ। प्रवक्ता राकेश संधी ने बताया कि आचार्य संघ का चातुर्मास के पश्चात टोंक से मंगल विहार करते हुए मंगलवार को निवाई पहुंचें। जौंला ने बताया कि मंगलवार को सुबह कल्याण कालेज जैन समाज द्वारा श्री फल चढाकर निवाई नगर के लिए आमंत्रित किया गया. जहां सभी श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे से नाचते गाते हुए पद विहार के साथ शहर में मंगल प्रवेश करवाया गया। उन्होंने बताया कि आचार्य संघ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए संत निवास नसियां जैन मंदिर पहुंचे जहां भगवान शांतिनाथ के दर्शन करते हुए जैन मुनि प्रभव सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। जैन धर्म प्रचारक विमल पाटनी एवं सुनील भाणजा एवं राजेश पंचोलिया ने बताया कि धर्म सभा से पूर्व महिला मण्डल की विनिता बगड़ी के नेतृत्व में प्रियंका पराणा नीलम चंवरिया नेहा बगड़ी एवं पूजा चेनपूरा ने मंगलाचरण किया। पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री ने जिनवाणी की स्तुति की। इन्होंने लिया भाग - जितेन्द्र चंवरिया, मनोज पाटनी, राजेश चौधरी, पार्षद प्रदीप पारीक, मदनलाल वर्मा, नितिन छाबड़ा, मोहित चंवरिया, गोपाल कठमाणा, विष्णु बोहरा, पवन सांवलिया, सुशील गिन्दौडी, पवन बड़ागांव, महेन्द्र चंवरिया, हुकमचंद जैन, अशोक बिलाला, दिलीप बगड़ी, विनोद पांडया, विमल गिन्दौडी, कमल सोगानी, रोनक बोहरा, दिलीप भाणजा, हेमन्त जैन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

समय पर की गई छोटी बचत भी समस्या आने पर सहायक सिद्ध हो सकती है : सोनी

नवीन पहाड़िया का किया आर डी बेस्ट डिपोजिटर सम्मान

डेह. शाबाश इंडिया। डेह डाकघर व शाखा डाकघरों के डाकपालों के साथ हुई समीक्षा बैठक में बोलते हुए नागौर जिला डाक अधीक्षक रामावतार सोनी ने कहा कि यह मत भूलो कि छोटी बचत से क्या होता है । छोटी बचत भी जरूरत पड़ने पर किसी के आगे हाथ फैलाने से बचा कर उसके लिए बहुत ही सहायक सिद्ध हो सकती है क्यों कि जरूरत जब पड़ती है तब जो पास में होता है वही काम का होता है तथा इसके लिए संकट के समय पोस्ट ऑफिस की रेकरिंग डिपॉजिट योजना किसी के आगे हाथ फैलाने से रोकती है इसलिए हमें इस योजना के प्रचार प्रसार में ध्यान देने की आवश्यकता है। इस योजना के लिए हमने एक डाकघर में किसी एक खाताधारक को सबसे ज्यादा रेकरिंग डिपॉजिट कराने पर सम्मानित किए जाने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत डेह डाकघर के सबसे ज्यादा व्यक्तिगत आर डी खाते के लिए नवीन पहाड़िया को सम्मानित करने के लिए बुलाया गया है। जिला अधीक्षक डाकघर रामावतार सोनी नें नवीन पहाड़िया को प्रमाण - पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नागौर उपखण्ड प्रभारी सहायक अधीक्षक रूपाराम सिंवर, उप डाकपाल डेह राजेन्द्रसिंह विश्नोई, शाखा डाकपाल जीतुराम, रामपाल पारीक, गजेन्द्रसिंह जोधा, गोपालदान नान्दु, गणेशसिंह, भूराराम, प्रेमशुख, सत्यनारायण, अजयकुमार, मनोज, अमन, चुनाराम, देवेंद्र, अरविंद, रौनक, मोना, नीनू शर्मा, मायाकुमारी, विकास मीणा सहित कई नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर अधीक्षक डाक रामावतार सोनी का स्वागत डेह के उपडाकपाल राजेन्द्रसिंह विश्नोई नें किया। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्रसिंह विश्नोई नें किया। **प्रेषक: पवन पहाड़िया डेह**

दीक्षार्थी दीदियों की गोद भराई रस्म का आयोजनः दो आर्यिका संघ का हुआ आत्मीय मिलन

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

तहसील रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर के विशाल सभागार में 6 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक श्रीणमोकार तीर्थ, नासिक में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत 7 फरवरी को परम पूज्य प्रज्ञाश्रमण आचार्यश्री देवनंदी महाराज के पावन करकमलों से बाल ब्रह्मचारिणी निधी दीदी एवं बाल ब्रह्मचारिणी मोनिका दीदी की मंगल दीक्षा संपन्न होने जा रही है, उसी निमित्त स्थानीय समाज की ओर से अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी एवं महामंत्री भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में गणिनी आर्यिका कांतिश्री माताजी एवं विदुषी आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ससंघ के सानिध्य में उक्त पावन अवसर के पूर्व दोनों दीदियों का गोद भराई का कार्यक्रम दोपहर में संपन्न हुआ। आर्यिका ने बताया कि दोनों दीदी सांसारिक जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प ले रही हैं साथ ही दोनों अनुयायी सांसारिक सुख-सुविधाओं को त्यागकर साधु-साध्वी का जीवन अपनाने के लिए दीक्षा ले रही हैं। इसमें पांच व्रतों का पालन करने का संकल्प लेते हैं। इससे पूर्व प्रातः आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी के मुखारविंद से भगवान की शांति धारा एवं पंचामृत अभिषेक किया गया तत्पश्चात आर्यिका द्वारा समाज जनों को प्रवचन रूपी मंगल आशीर्वाद प्रदान किया गया। इस अवसर पर शांतिनाथ दिगंबर जैन समाज के

अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी, महामंत्री भूपेंद्र कुमार जैन, दशा हुमड़ दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया, पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर कोठारी, युवा परिषद अध्यक्ष विक्रांत कोठारी, महामंत्री वैभव कोठारी, रोहित भंवरा, सौरभ पंचोली, हर्षित कोठारी,जिनेश जैन,निखार गांगावत सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे। संचालन भूपेंद्र कुमार जैन ने किया तथा आभार रमेश चंद्र कोठारी ने ज्ञापित किया। मंगलवार की प्रातः प.पू.गणिनी आर्यिका कान्तिश्री माताजी एवं आर्यिका स्वस्तिश्री माताजी का केशरीयाजी से विहार कर स्थानीय मन्दिर में मंगल आगमन हुआ। समाजजनों द्वारा संघ को अर्घ्य समर्पित कर पाद प्रक्षालन कर जयकारों के साथ अगवानी की गई। मन्दिर में प्रवासरत आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ससंघ एवं आर्यिका कांतिश्री माताजी ससंघ का आत्मीय मिलन हुआ। संघ के आगमन एवं मिलन समारोह में कई समाजजन उपस्थित रहे। दोपहर बाद आर्यिका कान्तिश्री माताजी का ससंघ विहार बोखला के लिए हुआ।

जूली सोनी को एनसीटीई अध्यक्ष ने पीएचडी उपाधि से नवाजा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जूली सोनी को भारत सरकार के राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा द्वारा विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। सोनी ने ''प्रमुख उपनिषदों में आत्मतत्त्व एवं मोक्षः एक अनुशीलन'' विषय पर जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय से शोधकार्य पूरा किया। उनका यह शोध संस्कृत विभाग के सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष तथा भारतीय सांस्कृतिक राजदूत डॉ. धीरज प्रकाश जोशी के निर्देशन में संपन्न हुआ। वर्तमान में जूली सोनी एक निजी विद्यालय में संस्कृत अध्यापन का कार्य कर रही हैं।

दिगंबर जैन महिला महासमिति प्रमुख संभाग भीलवाड़ा का शपथ ग्रहण समारोह एवं दीपावली स्नेह मिलन संपन्न हुआ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति प्रमुख संभाग भीलवाड़ा का शपथ ग्रहण समारोह एवं दीपावली स्नेह मिलन राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शीला डोडिया की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल की मुख्यअतिथि में संपन्न हुआ। प्रारंभ में दीप प्रज्वलन कर मंगलाचरण किया एवं सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला डोडिया, प्रदेश अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल व मेहमानों का स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला डोडिया ने कहा कि प्रीवेडिंग सूट जैन शासन परंपरा के विपरीत कार्यक्रम है, इसका विरोध करें। समाज के कार्यक्रमों में शामिल नहीं करें। उन्होंने

कहा कि समाज में बीमार से मिलने जाने पर वहां का अन्न ग्रहण नहीं करने की सभी सदस्यों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला डोडिया , प्रदेश अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल, पूर्व अध्यक्षा मृदुला जैन, संभाग की संस्थापक अध्यक्षा पदमा गदिया की देखरेख में सर्वसम्मति से प्रमुख संभाग भीलवाड़ा के चुनाव हुए। जिसमें अध्यक्षा सीमा गोधा, सचिव सुनीता पाटनी ,कोषाध्यक्ष बिंदु वेद को चुना गया। इस दौरान दिगंबर जैन महिला युवा संभाग का गठन भी किया गया। अध्यक्ष सीमा गोधा ने बताया कि श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति प्रमुख संभाग भीलवाड़ा ने श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की एक बालिका को गोद ली जाने का निर्णय लिया गया। जिसका सभी ने अभिवादन किया। इस अवसर पर कई धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम हुए। महिलाओं ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण व बाहर से 15 संभाग से महिलाओं सदस्यों की उपस्थिति रही। समारोह का संचालन मधु काबरा ने किया। इसमें श्रीमती सुनीता का कासलीवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में सरिता शाह, सुनीता जैन, जयंती अजमेरा, सीमा गदिया, सुधा जैन, नीरू अजमेरा, भारती सोनी, सुमन पाटनी आदि का सहयोग रहा। वह समाज के प्रतिष्ठितजनों की उपस्थिति रही। भीलवाड़ा प्रमुख संभाग की बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

बालिका की आँत में फुल गोबी के आकार की गाँठ का सफल ऑपरेशन

लिंफेंजियोमा ऑफ़ इंटेस्टाइन मेज़ेंट्री एक दुर्लभ बीमारी है

कोटा। झालावाड़ निवासी नौ वर्ष की बालिका के दो महीने से पेट दर्द व उल्टी की समस्या चल रही थी। झालावाड़ में चिकित्सकों ने सोनोग्राफी में पाया की बालिका की आंत में 13 CM x 7 CM की बड़ी गांठ है जिसने आसपास की आंत को जकड़ रखा है। बालिका को कोटा में वरिष्ठ शिशु शल्य चिकित्सक डा समीर मेहता के पास रेफर किया। डा समीर ने बालिका की गंभीर स्थिति को देख तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी ।ऑपरेशन में फूल गोभी के आकार की विशाल गांठ मिली जो की भोजन थेली के पास छोटी आंत में स्थित थी ।गांठ को आंतो को काट कर निकालना पड़ा व आंत को पुनः जोड़ा गया। मेडिकल भाषा में इस बीमारी को लिंफेंजियोमा कहा जाता है। यह ग़ैर कैंसर युक्त ट्यूमर होता है। यह बहुत दुर्लभ ट्यूमर होता है व ढाई लाख बच्चों में से किसी एक में पाया जाता है। डा समीर ने बताया की बालिका अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है व संपूर्ण भोजन ग्रहण कर रही है।

|| श्री महावीराय नमः ||

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी द्वारा संचालित

श्री महावीर योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं शोध संस्थान

श्री महावीरजी

द्वारा

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस
Naturopathy Day

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस
Naturopathy Day

के अवसर पर

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

रविवार 23 नवम्बर, 2025

प्रात: 10.00 से दोपहर 3.00 बजे तक

शिविर स्थल : नसियाँ भट्टारक जी, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों की जाँच की जायेगी

रक्तचाप	डायबिटिज
हृदय रोग	घुटना दर्द
कमर दर्द	सर्वाइकल दर्द

शिविर मे बीमारियों के अनुसार आहार की जानकारी दी जायेगी।

शिविर में प्रधान प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. विकास दानोदिया एवं प्रशिक्षित सहयोगी अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे।

शिविर में काइरोप्रेक्टिस एवं श्रृंगी जैसी चिकित्साएँ उपलब्ध रहेगी.

शिविर में समय पर पधारकर चिकित्सा परामर्श प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ लें।

सुभाष चन्द जैन	सुधान्शु कासलीवाल
मानद् मंत्री	अध्यक्ष

समस्त प्रबन्धकारिणी कमेटी एवं सदस्य दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी

गणिनि आर्यिका श्री आर्षमति माता जी को भक्तामर साधिका की उपाधि से किया अलंकृत

रानीला. शाबाश इंडिया

आदिनाथ अतिशय क्षेत्र आदिनाथपुरम रानीला हरियाणा में आयोजित आचार्य ज्ञानसागर अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान समारोह ने सम्पूर्ण भारतवर्ष की जैन समाज में एक अनूठी पहचान कायम की है। भव्य कार्यक्रम के दौरान अतिशय क्षेत्र रानीला जी के चेयरमैन विजय जैन, अध्यक्ष तिलक जैन एवं समस्त कमेटी ने देश भर से उपस्थित जैन समाज की सहमति से गुरु मां को भक्तामर साधिका की उपाधि से विभूषित किया। इस अवसर पर रानीला समिति के अध्यक्ष ने कहा कि माताजी में अद्भुत तेज है जिसका साक्षात्कार वषायोग के दौरान किया है। माताजी भक्तामर की विशेष साधक है जिसका जीवन्त उदाहरण 48 दिवसीय भक्तामर आराधना के दौरान दृश्य गत हुआ। गणिनी आर्यिका आर्ष मति माताजी गुरुवर ज्ञान सागर जी के पद चिन्हों पर चल इतिहास रच रही हैं। ज्ञानार्ष भक्त परिवार की युवा टीम ने रजत प्रतिभा सम्मान आयोजित कर इतिहास रचा है। साथ ही पूज्य माताजी में युवाओं को प्रेरणा देने की अनूठी शक्ति तो है ही साथ ही माताजी पूर्ण ऊर्जा से ओतप्रोत हैं। अल्प दीक्षा काल मे ही माताजी द्वारा अनेको बड़े कार्य किये जा रहे हैं जो उनकी दूरदर्शिता एवं उत्कृष्ट चिंतन का परिणाम है। **प्रेषकः- संजय जैन बड़जात्या**

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस पर प्राकृतिक चिकित्सालय में दी लोगों को जानकारियां

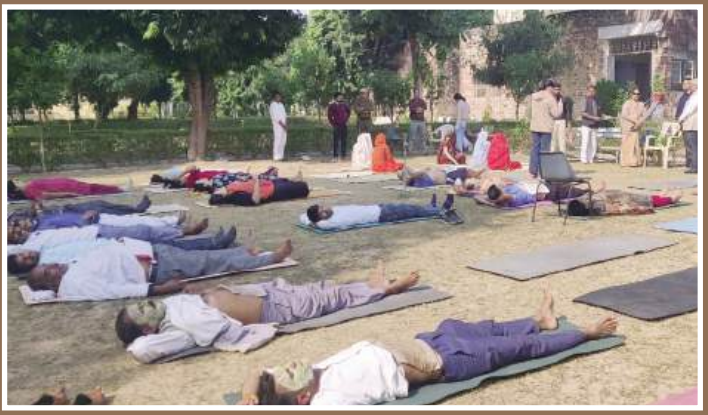

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र द्वारा संचालित श्री महावीर जी योग प्राकृतिक चिकित्सालय एवम्शोध संस्थान, श्री महावीर जी में प्राकृतिक चिकित्सा दिवस पर मंगलवार को प्राकृतिक चिकित्सालय में 50 से अधिक लोगों को पेट पर मिट्टी पट्टी, फेस पर हर्बल फेश पैक लगाया गया एवम्कार्यक्रम में उपस्थित सभी को ताजा आंवला कैंडी खिलाई गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक प्रशासन कर्नल विष्णु सिकरवार एवं व्यवस्थापक लेखा नेमी कुमार पाटनी सर्वप्रथम महावीर स्वामी जी के चित्रपट पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। व्यवस्थापक नेमी कुमार पाटनी ने बताया कि चिकित्सालय में प्राकृतिक चिकित्सा 1986 से चलती आ रही हैं और यहां सभी प्रकार के रोगों के लिए चिकित्सा उपलब्ध है । कार्यक्रम में नेमी कुमार, विकास पाटनी ने सभी को प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार प्रसार के लिए प्रेरित किया , एवम्प्राकृतिक चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विकास दानोदिया ने मिट्टी पट्टी , हर्बल फेस पैक के लाभ बताए एवं सभी को जानकारी दी भारत में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस की शुरूआत 18 नवंबर, 2018 को हुई थी और इसकी घोषणा भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा की थी। इस दिवस का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देना है, जो कि एक दवा रहित चिकित्सा प्रणाली है।

तेरहवां प्रतिभा सम्मान समारोह संम्पन्न

बण्डा विधानसभा की 200 प्रतिभायें हुई सम्मानित, इंजी. महेश जैन रिटायर्ड एसडीओ क्षेत्र गौरव से सम्मानित

शाहगढ. शाबाश इंडिया

शाहगढ नगर गौरव आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज की प्रेरणा से तहसील प्रेस क्लब मध्यप्रदेश रजि. के तत्वावधान में से बंडा विधानसभा स्तरीय तेरहवां प्रतिभा सम्मान समारोह एवं पत्रकार सम्मेलन स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर, लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल शाहगढ के प्रयोजन में विद्यालय प्रांगण से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अजय तिवारी कुलाधिपति एसवीएन सागर, नवीन सिंह एसडीएम बण्डा विशिष्ट अतिथि टी सी राय तहसीलदार, कु. रिया जैन सहायक संचालक पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक, भारतीय जैन क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया, चक्रेश मोदी कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील जैन एल आई सी न मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में मंचासीन अतिथि द्वारा दीपप्रज्वलन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में ब्र. बहन दीपा दीदी,ज्योति दीदी द्वारा बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया एक सुसंस्कारिक एवं व्यसन मुक्त समाज की स्थापना कैसे करें, इस विषय पर दीदी ने मार्गदर्शन दिया। लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल एवं सन्मति विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। मंचासीन अतिथियों का सम्मान शाल,श्रीफल, स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया। **इनका किया गया सम्मानः**

इंजी. महेश जैन रिटायर्ड एसडीओ क्षेत्र गौरव से सम्मानित,आचरण से सुदेश तिवारी , राष्ट्रीय हिंदी दैनिक से वंदना तोमर, सत्ता सुधार से संजय गुप्ता, छतरपुर टाइम से मनीष जैन, नो फिकर चैनल से अभिनव मुखुटी पत्रकार गौरव चार पीएससी चयनित और 200 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मनीष विद्यार्थी और डॉ. अशोक जैन, देव संधेलिया ने किया,आभार अध्यक्ष प्रकाश जैन ने माना। कार्यक्रम निर्देशक पं. अशोक तिवारी ने बताया कि तहसील प्रेस क्लब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 2012 से आयोजित हो रहा है और इस वर्ष तेरहवां प्रतिभा सम्मान समारोह एवं ज्ञानोदय प्रेस अवार्ड कार्यक्रम संपन्न होगा आगे की आगे भी हम लोग प्रयास करेंगे कि कार्यक्रम जिला स्तरीय आयोजित हो। इन्होंने कहा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी ने 12 वर्षों से लगातार इस आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी सभी व्रत भगवान छात्र-छात्राओं के लिए मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम नवीन सिंह जी ने कहां आयोजन में पहली बार शामिल हुआ लेकिन पत्रकारों द्वारा यह आयोजन और इतने अच्छे तरीके से कार्यक्रम करना यह हमने पहली बार देखा।विशिष्ट अतिथि तहसीलदार टी सी राय ने कहा की प्रतिभा सम्मान का आयोजन प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है एवं जो बच्चे सम्मानित होते हैं, वह अपना, अपने परिवार का और अपने नगर का नाम रोशन करते हैं।कार्यक्रम में शाहगढ, बण्डा, बराराठा, दलपतपुर बीला,रुरावन, कंदवा के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। स्थानीय पत्रकारों में सुनील तिवारी,बृजेश गुप्ता, बृजेश ताम्रकार धीरज प्रजापति, राजेश असाटी, सेलू राजा आदि उपस्थित रहे।

प्रेषक : मनीष विद्यार्थी सागर

इंदौर दिगम्बर जैन परवार सभा का अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन परवार सभा द्वारा निरंतर युवक युवती परिचय सम्मेलन का 25 वाँ वर्ष इस वर्ष का परिचय सम्मेलन नंए आयामों के साथ आयोजित किया जा रहा है।सभा के अध्यक्ष राकेश जैन चेतक एवं सभा के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने कहा कि अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन दिनांक 18 जनवरी 2026 रविवार को सुबह प्रातः 9:00 बजे से नरसिंग वाटिका, एरोड्रम रोड़ पर आयोजित किया जा रहा है

जवाहर नवोदय विद्यालय में साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। मंगलवार को पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय- नान्दला, अजमेर में पीएम श्री स्कूल गतिविधि के अन्तर्गत तीन दिवसीय साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका समापन दिनांक 20.11.2025 को किया जायेगा। ब्रैन एक्सीलेन्स से श्री चिराग मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यशाला का आयोजन विद्यालय के बहुउद्देश्य हॉल में किया गया। विद्यालय के प्राचार्य गिरि राज रेवाड़ एवं उप प्राचार्य अल्का कुलश्रेष्ठ ने चिराग का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। रेवाड़ ने बताया कि पीएम श्री स्कूल गतिविधि के अन्तर्गत तीन दिवसीय साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को साईबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जायेगा। चिराग ने सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को साईबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आपकी अनुमति के बिना आपके अकाउन्ट से पैसे चुराना, सोशल मिडिया अकाउन्ट में सेंध लगाना, आपकी व्यक्तिगत जानकारी का गलत इस्तेमाल करना, डिजिटल अरेस्ट करना, इमोशनल ट्रेप का शिकार बनाना और आर्टिफिसिल इन्टलीजेन्स का इस्तेमाल कर फोटो एवं विडियों से छेड-छाड़ करना साईबर अपराध की श्रेणी में आता है। चिराग ने छात्र-छात्राओं को साईबर फ्रॉड का शिकार होने से बचने के लिए विभिन्न सुझाव दिये, जैसे इन्टरनेट पर ज्यादा समय बिताने से बचना, सोशल मिडिया अकाउन्ट के अलग-अलग पासवर्ड रखना, किसी भी लिंक पर बिना सोचे समझे प्रतिक्रिया देने से बचना, जरूरत ना होने पर वाईफाई, कैमरा एवं इन्टरनेट बन्द रखना, सोशल मिडिया अकाउन्ट पर व्यक्तिगत फोटो डालने से बचना और मजबूत पासवर्ड रखना आदि। उन्होने छात्र-छात्राओं को डिजिटल पहचान, डिजिटल फुटप्रिन्ट एवं डिजिटल अरेस्ट के बारे में विस्तार से बताया। साईबर अपराध का शिकार बनने की स्थिति में बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि साईबर अपराध का शिकार होने पर 1900 पर शिकायत करें, नेशनल साईबर काईम के पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें और बैंक से सम्पर्क कर शिकायत दर्ज करें ताकि आपका पैसा वापिस लाया जा सके। उन्होने छात्र-छात्राओं को साईबर सुरक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध करियर के बारे में बताते हुए कहा कि आप साईबर सुरक्षा विश्लेषक, साईबर सुरक्षा सलाहकार, मालवेयर विश्लेषक और एथिकल हेकर आदि बन सकते है। आज के कार्यक्रम के संचालन में मुकेश कुमार शर्मा, नवीन कुमार शर्मा, ब्रजेश भार्गव ने विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ मौजूद रहे।

हिंगोनियां में आदित्य सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया
जयपुर

धर्मनगरी हिंगोनियां में मंगलवार को आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के शिष्य आदित्य सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ।मुंशीचंद जैन ने बताया कि आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के शिष्य आदित्य सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ। इस दौरान गाजे बाजे के साथ जैन समाज ने भव्य अगवानी की।इस अवसर पर सुबह प्रवचन, सायंकालीन शंका समाधान, मंगल आरती सहित आयोजन हुआ।

आइए हम और आप साक्षी बने पुण्यार्जन करे

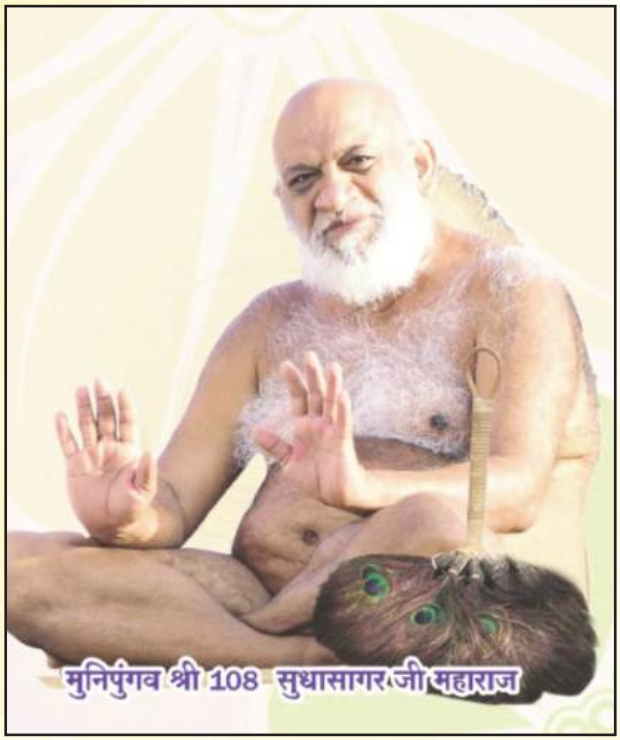

चलिए, चलिए, चलिए...

मणि कांचन योग में थोवोंन जी चलिए

जयपुर। दर्शनोदय के खड़े बाबा एवं जगतपूज्य के ससंघ दर्शनार्थ तथा दीक्षा महामहोत्सव के साक्षी बनने के लिएआचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर की महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य,निर्यापक श्रमण, मुनि पुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के करकमलों द्वारा होने वाली जैनेश्वरी दीक्षाओं के साक्षी बने।

जयपुर शहर के प्रमुख स्थानों से विशेष बसों की व्यवस्था की गई है जो दिनांक 21/11/2025 को रात्रि 7-30बजे जयपुर की सभी कालोनी से प्रस्थान सोनागिरी जी गोलाकोट दर्शनोदय थोवोंन जी के लिए प्रस्थान करेगी।

अनुरोधः- समय का विशेष ध्यान रखे

नोटः- व्यवस्था शुल्क 1500प्रति व्यक्ति

ध्यान दें... जिज्ञासा समाधान के बाद जयपुर की वापसी रहेगी 23-11-25 को 6.30।

नोटः दिनांकः—19/11/2025 को शाम 6-30 बजे तक नाम लिखवाइए (विशेष_श्रीफल,पानी बोतल साथ मे लावे)

संपर्क करें :

1 जे के जैन मानसरोवर 94140-42294.

2 मनीष बेद 9414016808

3 महावीर यात्रा महावीर जजैन। 9414781315 - 9829999436

निवेदकः- गुरु भक्त परिवार जयपुर

गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी के वरदहस्त से सुनिता दीदी की भव्य जैनेश्वरी दीक्षा 21 नवम्बर को

दुर्गापुरा जैन मंदिर मे होगा भव्य समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा में विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री 108 देशभूषण जी मुनिराज की सुशिष्या परमपूज्य गणिनी आर्यिका रत्न श्री 105 सरस्वती माताजी, संघस्थ शिष्या आर्यिका श्री 105 अनन्तमती माताजी एवं आर्यिका श्री 105 महोत्सवमती माताजी के 32वें पावन वर्षायोग 2025 में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव 18 से 21 नवम्बर तक विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आयोजित किया जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड एवं मंत्री राजेन्द्र काला तथा कोषाध्यक्ष विमल गंगवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि मंगलवार 18 नवम्बर को दोपहर 12.15 बजे अजित श्रीमती शशि तोतूका ने ध्वजारोहण कर चार दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रेखा लुहाड़िया एवं मंत्री रानी सोगानी ने बताया कि हल्दी - मेहंदी, गीत संगीत का कार्यक्रम दोपहर 12.30 बजे से बहुत ही भक्ति भाव से हुआ। परम्परा आचार्यों को भक्ति भाव से अष्टद्रव्य के अर्घ समर्पित किये गये। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि मंगलाचरण गुणमाला काला ने तथा दीप प्रज्वलन दीक्षार्थी के परिजनों ने किया। दीक्षार्थी के धर्म के माता-पिता का चयन किया गया इसका पुण्यार्जन प्रकाश चन्द जी श्रीमती प्रेम देवी बाकलीवाल ने प्राप्त किया। गणधरवलय विधान में सौधर्म इन्द्र इंद्राणी का सौभाग्य सुधीर श्रीमती किरण बिलाला को प्राप्त हुआ। प्रतिष्ठाचार्य पं विमल कुमार सोगानी बनेठा वाले ने मंत्रोच्चारणों के द्वारा एवं संगीतकार आकाश जैन के मधुर संगीत ने कार्यक्रम में भव्यता प्रदान की। दीक्षार्थी की बिन्दौरी 19 नवम्बर को सांयकाल 6.15 बजे मंदिर जी से प्रस्थान कर दुर्गापुरा की कालोनियों से होकर वापस मंदिर जी आयेगी कार्यक्रम में गणधरवलय विधान पूजा 20 नवम्बर को प्रातः 7.30 बजे से तथा भक्ति संध्या सांयकाल 7 बजे से है, मुख्य कार्यक्रम 21 नवम्बर को प्रातः 4.15 बजे ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी की केशलोंच से प्रारंभ होगा, मंगलाचरण दीप प्रज्वलन प्रातः 7.15 बजे से होगा। दीक्षा के भव्य कार्यक्रम में गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी को भव्य जैनेश्वरी दीक्षा देकर मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करेगी।

पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव हुआ संपन्न गाजियाबाद समाज ने किया विज्ञाश्री माताजी को तीर्थोद्धारिका की उपाधि से अलंकृत

भोपाल. शाबाश इंडिया

गणाचार्य श्री विराग सागर जी महामुनिराज की सुविज्ञ शिष्या पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के आशीर्वाद से परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन का आयोजन श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दानिश कुंज कोलार रोड भोपाल में सानंद संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण के साथ हुई। विज्ञाश्री पाठशाला के बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी। तत्पश्चात मुख्य अतिथियों ने एवं चातुर्मास कमेटी ने चित्र अनावरण करने का सौभाग्य प्राप्त किया। संघस्थ निशु दीदी,मनो दीदी,सुमित्रा दीदी, काजल दीदी,पूजा दीदी ने दीक्षा हेतु पूज्य माताजी के चरणों में श्रीफल समर्पित किया। पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य गाजियाबाद जैन समाज ने प्राप्त किया। संघस्थ आर्यिका विकक्षाश्री माताजी की प्रेरणा से अध्यक्ष नवीन जैन गाजियाबाद सहित समाज ने अनेकों तीर्थों के उद्धार करने के लिए तीर्थोद्धारिका की उपाधि से अलंकृत किया। इसी के साथ अगले वर्ष चातुर्मास हेतु श्रीफल समर्पित किया। विज्ञातीर्थ ट्रस्ट की ओर से सदस्य गणों ने अगले वर्ष चातुर्मास हेतु श्रीफल समर्पित किया। गौरझामर समाज, नयापुरा समाज,बानापुरा समाज, अहमदाबाद समाज, शीतलधाम समाज,नारायण नगर समाज ने शीतकालीन वाचना के लिए श्रीफल समर्पित किया। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य पदम जैन, ऋषभ जैन गौरझामर,शशि जैन,उषा सिंघई,शकुंतला जैन ने प्राप्त किया। आर्यिका विकक्षाश्री माताजी, ज्ञानश्री माताजी ज्ञेयश्री माताजी के की ओर से पूज्य माताजी के चरणों पिच्छिका भेंट की गई। सभी भक्तों ने झूमते हुए अष्टद्रव्य से पूजन की। कमंडल भेंट करने का सौभाग्य मनीष जैन मुस्कान फर्नीचर वालों ने प्राप्त किया। विज्ञाश्री माताजी के चरणों में कमंडल भेंट कर विज्ञाश्री परिवार ने आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों का स्वागत सत्कार चातुर्मास कमेटी ने किया। गुरु भक्तों ने माताजी एवं ब्रह्मचारी दीदी को वस्त्र भेंट किए। तत्पश्चात पुण्यार्जक परिवार को कलश वितरण किए गए। सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गुरु मां ने कहा यह पिच्छिका परिवर्तन नहीं मन का परिवर्तन है। अपने विचारों को परिवर्तित करने का दिन है यह पिच्छिका पांच गुणों से युक्त होती है। पहले यह धूल ग्रहण नहीं करती। दूसरा यह कोमल होती है,तो सभी जीवों की हिंसा होने से बचाती है। तीसरा यह सुंदर होती है। चौथा अधिक समय तक चलने वाली होती है और पांचवा इसे प्राप्त करना आसान होता है इसी कारण यह पिच्छिका परिवर्तन मनाया जाता है। क्योंकि पूरे वर्ष में उपयोग होने के कारण पिच्छिका कोमलता को खो देती है और वह कोमलता बनी रहे और जीवों की हिंसा न हो इसी कारण पिच्छिका परिवर्तन मनाया जाता है।

सखी गुलाबी नगरी संस्था द्वारा "दे दे प्यार दे -2" मूवी शो का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी संस्था द्वारा मंगलवार को आइनॉक्स GT सेंट्रल में मनोरंजक फिल्म ''दे दे प्यार दे-2'' का विशेष शो आयोजित किया गया, जिसमें संस्था की सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती सारिका जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द, मनोरंजन और पारस्परिक जुड़ाव को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि ऐसी गतिविधियाँ सखियों के बीच ऊर्जा और आत्मीयता को प्रोत्साहित करती हैं। अध्यक्षा श्रीमती सुषमा जैन ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सदस्यों का आभार जताया। सचिव श्रीमती ममता सेठी ने बताया कि संस्था आगे भी महिलाओं के लिए इसी प्रकार के सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम में ओनरिका ज्वैल्स से आई विशिष्ट अतिथि श्रीमती अमृता श्रीवास्तव का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। अमृता जी ने संस्था की सभी सदस्याओं को उपहार भेंट किया। कार्यक्रम में सभी सदस्याओं ने सुबह स्वादिष्ट नास्ते और मूवी के बाद लंच का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी कार्यकारिणी सदस्याओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी सदस्याओं की सक्रिय भागीदारी के साथ कार्यक्रम हर्षोल्लास के माहौल में संपन्न हुआ।

दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास के वर्ष 2025 के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। अखिल भारतवषीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रचार संयोजक (राजस्थान प्रांत) नरेश कासलीवाल ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र मोहन जैन व सहायक निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र बाकलीवाल ने रविवार को त्रिवेणी नगर के जैन संत भवन में आयोजित एक समारोह में सभी पदाधिकारियों को मंदिर व समाज के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा पद की शपथ दिलाई। अध्यक्ष महेन्द्र काला, उपाध्यक्ष, महावीर कासलीवाल, सचिव, शैलेन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष, राकेश छाबड़ा, संयुक्त सचिव, विमल छाबड़ा, कार्यकारणी हेतु नरेश कासलीवाल, कैलाश सौगाणी, जितेन्द्र कासलीवाल, लोकेश जैन, अंकुर पाटोदी, विपिन सेठ व सुरेश सेठ, नरेंद्र सेठी सहित समाजगण उपस्थित था।

नरेश कासलीवालः अखिल भारतवषीय दिगम्बर जैन परिषद-प्रचार संयोजक राजस्थान प्रांत